एक्सपर्ट व्यू/ मोहित मनोचा

संस्थापक एवं निदेशक,
हिमांशु आर्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

फ्लावर मेकिंग के काम में काफी संभावनाएं हैं

फ्लावर मेकिंग में क्या संभावनाएं हैं?

फ्लावर मेकिंग का काम आज काफी रफ्तार पर है। हर घर में साल में कई ऐसे मौके आते हैं, जब वहां डेकोरेशन की जरूरत पड़ती है। ऐसे में वहां फूलों की जरूरत पड़ती है। अब डेकोरेशन में कोई भी व्यक्ति असली फूलों का इस्तेमाल नहीं करता। इसके दो कारण हैं- एक तो यह कि प्राकृतिक फूल काफी महंगे पड़ते हैं और दूसरा यह कि वे कुछ ही समय में खराब होने लगते हैं। हाथ से बने हुए फूल दूर से बिल्कुल असली जैसे ही लगते हैं, बल्कि कुछ दुर्लभ फूलों की वैरायटी भी इन फूलों में आसानी से मिल जाती है, इसलिए ज्यादातर लोग डेकोरेशन में हाथ से बने फूलों का ही इस्तेमाल करवाते हैं।

आजकल आर्टिफिशियल फूलों की डिमांड कितनी है?

दरअसल आर्टिफिशियल तो मशीनों के बने हुए प्लास्टिक के फूल होते हैं। मगर फ्लावर मेकिंग का काम हाथ से ही किया जाता है। वैसे पहले इस काम को केवल हॉबी के तौर पर किया जाता था, लेकिन आज यह एक शानोशौकत और अपने गौरव को बढ़ाने का भी एक तरीका बन चुका है। आजकल कोई भी व्यक्ति सजावट में उतना ही खर्च करता है, जितना कि खाने-पीने में। इसके अलावा होटल्स, मॉल्स और बड़े-बड़े शोरूम्स में भी हाथ से बने फूलों से सजावट का काम आम हो चला है। इसलिए फ्लावर मेकिंग में काफी संभावनाए हैं।

अपने काम को किस तरह से विस्तार दिया जा सकता है?

फ्लावर मेकिंग एक छोटा काम है, मगर आप इसे काफी विस्तार दे सकते हैं। वैसे तो आप केवल फ्लावर मेकिंग से ही लाखों रुपए कमा सकते हैं। अगर आपकी मार्केट में अच्छी पकड़ है तो आप ऑर्डर पूरे करने में ही अपने को इतना व्यस्त पाएंगे कि कुछ और करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी, लेकिन फिर भी आप इस काम को और विस्तार दे सकते हैं। अगर आपके पास पैसा और कारोबार के लिए सही जगह है तो आप डेकोरेशन का काम भी कर सकते हैं। इसके अलावा प्रिंटिंग फोटो फ्रेम जड़ कर पेंटिंग के रूप में पेश कर सकते हैं। यह काम हेंडीक्राफ्ट आइटम में आ जाएगा। आजकल बाजार में इसकी बहुत मांग है।

काम करने वाले में क्या खूबी होनी चाहिए?

कोई भी काम हो, काम करने वाले में सबसे पहली खूबी तो यही होनी चाहिए कि उसे अपने काम में रुचि हो। इसके बाद इस काम में मेहनत और समय, दोनों ही भरपूर चाहिए, क्योंकि कुछ समय तक आपको मार्केटिंग भी करनी पड़ेगी। जब आपके ग्राहक बन जाएं, तब बेशक आप घर बैठे ऑर्डर लेकर माल सप्लाई करते रहें।

भारत में फ्लावर मेकिंग की कितनी जरूरत है?

भारत में फ्लावर मेकिंग की बहुत जरूरत है। आज से दस साल पहले अधिकतर लोग, खासतौर से मध्यवर्गीय समाज के लोग अपने हाथों से ही सजावट कर लिया करते थे, लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज हर आदमी खास मौकों पर सजावट के लिए अच्छा-खासा पैसा खर्च कर देता है। इसके अलावा प्रतिस्पर्धा के चलते होटल, मॉल और शोरूम वाले भी अपने बिजनेस को चमकाने के लिए अपने स्थान को लगातार नए से नए लुक में दर्शाना चाहते हैं। वे भी सजावट करवाते रहते हैं। इसके अलावा हाथ से बनी चीजों का विदेशों में भी निर्यात होता है। प्रगति मैदान और दूसरे मेलों में भी हाथ से बने फूलों की काफी बिक्री होती है। तो कह सकते हैं कि भारत में फ्लावर मेकिंग के काम में काफी संभावनाएं हैं।